SHRIMATI VIPLOVE THAKUR: Sir, I also associate myself with the Zero Hour submission made by Shri Tiruchi Siva.

SHRI MOTILAL VORA (Chhattisgarh): Sir, I also associate myself with the Zero Hour submission made by Shri Tiruchi Siva.

SHRI DIGVIJAYA SINGH (Madhya Pradesh): Sir, I also associate myself with the Zero Hour submission made by Shri Tiruchi Siva.

SHRI SUKHENDU SEKHAR RAY (West Bengal): Sir, I also associate myself with the Zero Hour submission made by Shri Tiruchi Siva.

SHRI ANAND SHARMA (Himachal Pradesh): Sir, I also associate myself with the Zero Hour submission made by Shri Tiruchi Siva.

Vacancies of teachers in Central Universities

श्री रेवती रमन सिंह (उत्तर प्रदेश): माननीय सभापति जी, मैं आपके और इस महती सभा के माध्यम से सरकार का ध्यान देश के 40 केन्द्रीय विश्वविद्यालयों में लम्बे समय से रिक्त पड़े शिक्षकों के करीब 7,000 पदों की तरफ दिलाना चाहता हूं। मान्यवर, ऐसा लगता है कि अभी निकट भविष्य में ये पद भरे भी नही जा पाएंगे।

बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय में शिक्षकों के 1,862 पद स्वीकृत हैं, जिनमें से 657 पद रिक्त हैं। इलाहाबाद विश्वविद्यालय, जिसका मुद्दा मैं पहले भी उठा चुका हूं, वहां शिक्षकों के 852 पद स्वीकृत हैं, जिनमें से 511 पद रिक्त हैं। इसका मतलब यह है कि वहां केवल एक-चौथाई पदों पर टीचर्स हैं और तीन-चौथाई पद रिक्त हैं। इसी तरह अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में 1,506 पद स्वीकृत हैं, जिनमें से 449 पद रिक्त हैं। दिल्ली, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के केन्द्रीय विश्वविद्यालयों में शिक्षकों के कुल 2,534 पद रिक्त हैं। मान्यवर, राजधानी दिल्ली के दिल्ली विश्वविद्यालय में ही शिक्षकों के 857 पद रिक्त हैं। मैं आपके माध्यम से सरकार से आग्रह करूंगा कि केन्द्रीय विश्वविद्यालयों में शिक्षकों के ये जो 7,000 पद रिक्त हैं, इनको तत्काल भरा जाए।

मान्यवर, दिल्ली विश्वविद्यालय में जो गैस्ट टीचर्स पढ़ाते हैं, वे 65 दिन से आन्दोलन कर रहे हैं, क्योंकि श्री जावेड़कर जी ने और मौजूदा मानव संसाधन विकास मंत्री श्री निशंक जी ने यह आश्वासन दिया था कि उनको तत्काल रखा जाएगा। मान्यवर, यह इतनी गंभीर समस्या है कि अगर तत्काल सरकार इस पर कार्यवाही नही करती है, तो उच्च शिक्षा में पढ़ने वाले छात्रों का जीवन अंधकारमय हो जाएगा, धन्यवाद।

DR. SASMIT PATRA: Sir, I associate myself with the Zero Hour submission made by the hon. Member.

श्री सभापति: रेवती रमन सिंह जी, मोतीलाल वोरा जी ऐसे सीनियर और वरिष्ठ सदस्य कितनी मेहनत करके, तैयारी करके नोटिस दे रहे हैं और नोटिस देने के बाद हाउस में मौजूद रह कर जिस तरह के विषय वे लोग प्रस्तुत कर रहे हैं, बाकी जो नये सदस्य हैं तथा बाकी सदस्य हैं, उन्हें इन लोगों को देख कर थोड़ा अनुसरण करना सचमुच में उचित होगा।

यह कोई मामूली विषय नहीं है। हम लोग देख रहे हैं कि कितने नये लोग या अन्य लोग हाउस में प्रेजेंट हैं और ये लोग कितना प्रेजेंट रहते हैं। एक बार हम लोग इसकी स्टडी करें। मैं किसी को व्यक्तिगत रूप में नही कह रहा हूँ, मगर यह हमारे सामने उदाहरण है। साथ ही साथ ये कभी-कभी मेरे पास आकर भी कहते हैं कि सर, मेरा एक विषय है। मैं कहता हूँ कि सर, कल तो आपका हो गया, तो कहते हैं कि नही-नही, सर, यह भी बहुत महत्वपूर्ण है। वे ऐसी माँग करते हैं।

Need to hold free and fair election in Delhi

श्री भूपेन्द्र यादव (राजस्थान): सम्माननीय सभापति महोदय, free and fair election हमारी डेमोक्रेसी की बुनियाद है। बीच में सुप्रीम कोर्ट में भी और सदन की विभिन्न समितियों में भी बार-बार यह कहा गया है कि चुनाव free होने चाहिए और कम से कम चुनाव का criminilization नही होना चाहिए।

दिल्ली में अभी चुनाव चल रहा है। दिल्ली के चुनाव पर देश ही नही, दुनिया में भी लोगों का बहुत ध्यान आकर्षण हो रहा है। कुछ दिनों पहले चुनाव आयोग ने दिल्ली के सारे प्रशासनिक अधिकारियों को बुला कर दिल्ली चुनाव के लिए advisory भी जारी की थी।

महोदय, यह विषय बहुत संवेदनशील है। इसे किसी एक राजनीतिक दल से जुड़ा हुआ विषय नही माना जाए। यह विषय देश के आने वाले भविष्य के लोकतंत्र को भी प्रभावित करेगा। तीन दिन पहले से लगातार पत्रकारवार्ता कर के एक राजनीतिक दल के द्वारा कुछ आशंकाएँ व्यक्त की जा रही थी। राजनीति में यहाँ बैठे हुए बहुत से लोग लम्बे समय से चुनाव लड़ रहे हैं, लेकिन यह विरोधाभास दिल्ली में देखने में आया कि सब लोग हतप्रभ थे कि दिल्ली में जहाँ चुनाव एकदम शान्तिपूर्ण होता है, वहाँ अचानक एक स्थल विशेष पर गोलियाँ चलने की घटनाएँ हुईं।

महोदय, मैं आपके सामने विनम्रता से कहना चाहता हूँ कि दिल्ली पुलिस ने कल enquiry करके उन लोगों के राजनीतिक दल **...(व्यवधान)...**

श्रीमती विप्लव ठाकुर: सर **...(व्यवधान)...** ये क्या बोल रहे हैं? **...(व्यवधान)...**

श्री भूपेन्द्र यादव: आपकी पार्टी का नही है। **...(व्यवधान)...** आपकी पार्टी का नही है। ..(व्यवधान)...

श्री सभापति: नही, नही। **...(व्यवधान)...** विप्लव जी, आपको नही बुलाया है। **...(व्यवधान)...**